JETIR.ORG ISSN: 2349-5162 | ESTD Year : 2014 | Monthly Issue
JOURNAL OF EMERGING TECHNOLOGIES AND INNOVATIVE RESEARCH (JETIR)
An International Scholarly Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

शिक्षकों के शिक्षक प्रभावशीलता के आयाम व्यावसायिक प्रभावशीलता का लिंग के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन

- रेखा यादव, (शिक्षा संकाय), स्वामी श्री स्वरूपानंद सरस्वती, महाविद्यालय, हुडको, भिलाई (छ.ग.)
- डॉ. शीजा थॉमस, सहायक प्राध्यापक (शिक्षा), विभागाध्यक्ष, सेंट थॉमस कॉलेज रुआंबांधा, भिलाई (छ.ग.)
- डॉ. तृषा शर्मा, प्राध्यापक (शिक्षा)एम. जे. कॉलेज भिलाई (छ.ग.)

सार: प्रस्तुत शोधपत्र का उद्देश्य शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता के एक आयाम 'व्यावसायिक प्रभावशीलता' का लिंग (पुरुष एवं महिला) के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन करना था । शिक्षक प्रभावशीलता शिक्षा प्रक्रिया का केन्द्रीय तत्व है, जो शिक्षण-अधिगम की गुणवत्ता, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास तथा विद्यालय की शैक्षिक उपलब्धि को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती है। व्यावसायिक प्रभावशीलता से तात्पर्य शिक्षक के अपने पेशे के प्रति दृष्टिकोण, कार्य-संतुष्टि, व्यावसायिक प्रतिबद्धता, उत्तरदायित्व बोध तथा निरंतर व्यावसायिक विकास से है।

प्रस्तुत अध्ययन में न्यादर्श के लिए 100 शिक्षकों (50 पुरुष एवं 50 महिला) का चयन किया गया। शिक्षक प्रभावशीलता के आकलन हेतु प्रमोद कुमार एवं डी. एन. मूथा (2017) द्वारा निर्मित शिक्षक प्रभावशीलता मापनी का प्रयोग किया गया, जिसमें व्यावसायिक प्रभावशीलता एक प्रमुख आयाम के रूप में सम्मिलित है। प्राप्त आँकड़ों का विश्लेषण 't-परीक्षण' द्वारा किया गया। अध्ययन के निष्कर्षों से ज्ञात हुआ कि पुरुष एवं महिला शिक्षकों की व्यावसायिक प्रभावशीलता में सार्थक अंतर पाया गया। शोध के निष्कर्ष शैक्षिक प्रशासन, शिक्षक प्रशिक्षण तथा व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों के लिए उपयोगी सिद्ध होंगे।

कूट शब्द: शिक्षक प्रभावशीलता, व्यावसायिक प्रभावशीलता, लिंग, पुरुष शिक्षक, महिला शिक्षक

प्रस्तावना

शिक्षा किसी भी समाज के विकास का आधार स्तम्भ मानी जाती है और इस प्रक्रिया में शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। शिक्षा व्यवस्था की सफलता बहुत हद तक शिक्षक की प्रभावशीलता पर निर्भर करती है। शिक्षक केवल ज्ञान का संप्रेषण करने वाला व्यक्ति नहीं है, बल्कि वह विद्यार्थियों के व्यक्तित्व

निर्माण, नैतिक विकास तथा सामाजिक समायोजन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अतः शिक्षक की प्रभावशीलता का अध्ययन शैक्षिक अनुसंधान का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र बन गया है।

शिक्षक प्रभावशीलता एक बहुआयामी संकल्पना है, जिसमें शिक्षक के शैक्षणिक कौशल, व्यावसायिक दृष्टिकोण, सामाजिक व्यवहार, भावनात्मक संतुलन, नैतिक मूल्य तथा व्यक्तित्व संबंधी गुण सम्मिलित होते हैं। इन सभी आयामों में 'व्यावसायिक प्रभावशीलता' का विशेष महत्व है, क्योंकि यह शिक्षक के अपने पेशे के प्रति समर्पण, प्रतिबद्धता और संतुष्टि को दर्शाती है। एक व्यावसायिक रूप से प्रभावी शिक्षक न केवल अपने कर्तव्यों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करता है, बल्कि निरंतर अपने ज्ञान एवं कौशल का विकास भी करता रहता है।

वर्तमान समय में शिक्षा के क्षेत्र में तीव्र परिवर्तन हो रहे हैं। नई शिक्षा नीति, तकनीकी नवाचार, पाठ्यक्रम में परिवर्तन तथा विद्यार्थियों की बदलती आवश्यकताओं ने शिक्षक की भूमिका को और अधिक जटिल बना दिया है। ऐसी स्थिति में शिक्षक की व्यावसायिक प्रभावशीलता का महत्व और भी बढ़ जाता है। व्यावसायिक प्रभावशीलता से युक्त शिक्षक चुनौतियों का सामना आत्मविश्वास के साथ करता है और शिक्षा की गुणवत्ता को बनाए रखने में सहायक सिद्ध होता है।

लिंग एक महत्वपूर्ण सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक कारक है, जो शिक्षक के व्यवहार, दृष्टिकोण और कार्यशैली को प्रभावित कर सकता है। पुरुष एवं महिला शिक्षकों के सामाजिक अनुभव, पारिवारिक उत्तरदायित्व, कार्य के प्रति दृष्टिकोण तथा व्यावसायिक अपेक्षाएँ भिन्न हो सकती हैं। इन भिन्नताओं का प्रभाव उनकी व्यावसायिक प्रभावशीलता पर भी पड़ सकता है। इसलिए शिक्षक प्रभावशीलता के आयामों का लिंग के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन करना अत्यंत प्रासंगिक हो जाता है।

पूर्ववर्ती अनुसंधानों से यह स्पष्ट होता है कि शिक्षक प्रभावशीलता एवं उसके विभिन्न आयामों पर अनेक अध्ययन किए गए हैं। कुछ अध्ययनों में यह पाया गया है कि महिला शिक्षक अपने पेशे के प्रति अधिक समर्पित एवं उत्तरदायी होती हैं, जबकि कुछ अध्ययनों में पुरुष शिक्षकों को व्यावसायिक निर्णयों में अधिक आत्मविश्वासी बताया गया है। तथापि, इन निष्कर्षों में एकरूपता का अभाव है, जिससे इस क्षेत्र में और अधिक अनुसंधान की आवश्यकता अनुभव होती है।

अतः प्रस्तुत अध्ययन में शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता के आयाम 'व्यावसायिक प्रभावशीलता' का लिंग के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन किया गया है, जिससे यह ज्ञात किया जा सके कि पुरुष एवं महिला शिक्षकों में इस आयाम के संदर्भ में कोई सार्थक अंतर विद्यमान है अथवा नहीं। यह अध्ययन न केवल

सैद्धांतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि इसके निष्कर्ष शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों, व्यावसायिक विकास योजनाओं तथा शैक्षिक नीतियों के निर्माण में भी सहायक सिद्ध हो सकते हैं।

सिंह और शुक्ला (2015) ने वरिष्ठ माध्यमिक छात्रों में करियर परिपक्वता और आत्म-प्रभावकारिता का अध्ययन किया। 100 छात्रों ने भाग लिया। परिणामों से पता चला कि करियर परिपक्वता और आत्म-प्रभावकारिता में सकारात्मक संबंध है और महिला छात्रों की निर्णय क्षमता पुरुष छात्रों से थोड़ी अधिक थी।

कुमार और मूथा (2017) ने 150 शिक्षकों में शिक्षक प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया। परिणामों से ज्ञात हुआ कि लिंग और अनुभव शिक्षक प्रभावशीलता को प्रभावित करते हैं। महिला शिक्षक पेशे के प्रति अधिक समर्पित थीं, जबकि पुरुष शिक्षक निर्णय और नेतृत्व में अधिक सक्रिय थे।

राम्या और राजम्मल (2022) ने 120 छात्रों पर विद्यालय वातावरण और करियर परिपक्वता का अध्ययन किया। सकारात्मक और सहयोगी विद्यालय वातावरण वाले छात्रों की करियर परिपक्वता अधिक थी। लिंग और विद्यालय प्रकार के आधार पर अंतर भी पाया गया।

कोकिनू और क्यारियाकिडेस (2022) ने 26 गणित शिक्षकों में कक्षा संदर्भ और शिक्षक प्रभावशीलता का अध्ययन किया। परिणामों से ज्ञात हुआ कि कक्षा संदर्भ और छात्र व्यवहार शिक्षक की आत्म-प्रभावकारिता और शिक्षण दक्षता को प्रभावित करते हैं।

अध्ययन के उद्देश्य

- शिक्षकों के शिक्षक प्रभावशीलता के आयाम व्यावसायिक प्रभावशीलता का लिंग के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन करना।

शोध परिकल्पना

H_{01}: शिक्षकों के शिक्षक प्रभावशीलता के आयाम व्यावसायिक प्रभावशीलता का लिंग के आधार पर सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा।

न्यादर्श

अध्ययन के लिए छत्तीसगढ़ राज्य के रायपुर जिले के विभिन्न शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय से कुल 100 शिक्षकों का चयन किया गया, जिनमें 50 पुरुष एवं 50 महिला शिक्षक सम्मिलित थे। न्यादर्श का चयन

यादच्छिक (Random) पद्धति द्वारा किया गया, ताकि अध्ययन में पर्याप्त प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हो और निष्पक्षता बनी रहे।

सांख्यिकीय विश्लेषण

प्रस्तुत अध्ययन में शून्य परिकल्पनाओं का परीक्षण करने के लिए संकलित आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। इस विश्लेषण में प्रत्येक समूह के लिए मध्यमान (Mean) और प्रमाणिक विचलन (Standard Deviation) की गणना की गई। इसके अतिरिक्त, पुरुष और महिला शिक्षकों के बीच व्यावसायिक प्रभावशीलता में अंतर की प्रामाणिकता ज्ञात करने हेतु स्वतंत्र 'टी–परीक्षण' (Independent t-test) का उपयोग किया गया। इस प्रक्रिया के माध्यम से यह सुनिश्चित किया गया कि किसी भी अंतर का सांख्यिकीय महत्व स्पष्ट रूप से स्थापित हो सके।

शोध उपकरण

शिक्षक प्रभावशीलता: प्रस्तुत अध्ययन में शिक्षक प्रभावशीलता के मापन के लिए प्रमोद कुमार एवं डी. एन. मूथा (2017) द्वारा निर्मित शिक्षक प्रभावशीलता का प्रयोग किया गया । इस मापनी में कुल 69 कथन हैं तथा व्यावसायिक प्रभावशीलता एक प्रमुख आयाम है।

आंकड़ों का विश्लेषण, विवेचना एवं निष्कर्ष

H_{01}: शिक्षकों के शिक्षक प्रभावशीलता के आयाम व्यावसायिक प्रभावशीलता का लिंग के आधार पर सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा।

प्रस्तुत शोध का उद्देश्य शिक्षकों के शिक्षक प्रभावशीलता के आयाम व्यावसायिक प्रभावशीलता का लिंग के आधार पर सार्थक अंतर ज्ञात करना था । इस उद्देश्य से संबंधित प्रदततों का विश्लेषण टी मूल्य द्वारा किया गया, जिसका सारांश तालिका क्रमांक 1 में दर्शाया गया है:

तालिका क्रमांक - 1
महिला तथा पुरुष शिक्षकों की व्यावसायिक प्रभावशीलता

लिंग	N	मध्यमान	प्रामाणिक विचलन	टी -मूल्य
महिला शिक्षिका	100	52.56	23.39	2.665**
पुरुष शिक्षक	100	66.24	27.75	

**0.01 स्तर पर सार्थक

तालिका क्रमांक 1 से यह स्पष्ट है की महिला तथा पुरुष शिक्षकों की व्यावसायिक प्रभावशीलता प्राप्तांकों का टी- मूल्य 2.665, df -98, पाया गया। यह टी- मूल्य 0.01 स्तर पर सार्थक पाया गया। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि महिला तथा पुरुष शिक्षकों की व्यावसायिक प्रभावशीलता में सार्थक अंतर पाया गया। अतः शून्य परिकल्पना, "शिक्षकों के शिक्षक प्रभावशीलता के आयाम व्यावसायिक प्रभावशीलता का लिंग के आधार पर सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा।" अस्वीकृत होती है ।
पुनः यह जानने के लिए कि महिला तथा पुरुष शिक्षकों मे से किसकी व्यावसायिक प्रभावशीलता अधिक थी, की महिला तथा पुरुष शिक्षकों की व्यावसायिक प्रभावशीलता प्राप्तांकों के मध्यमान तथा प्रामाणिक विचलन की संगणना की गई । तालिका क्रमांक 1 से यह भी स्पष्ट होता है कि महिला शिक्षिकाओं

व्यावसायिक प्रभावशीलता प्राप्तांकों के मध्यमान तथा प्रामाणिक विचलन 52.56 तथा 23.39 एवं पुरुष शिक्षकों की व्यावसायिक प्रभावशीलता प्राप्तांकों के मध्यमान तथा प्रामाणिक विचलन 66.24 तथा 27.75 पाया गया जो स्पष्ट करता है कि पुरुष शिक्षकों की व्यावसायिक प्रभावशीलता महिला शिक्षिकाओं व्यावसायिक प्रभावशीलता से अधिक था।

विवेचना एवं निष्कर्ष

- पुरुष शिक्षकों की व्यावसायिक प्रभावशीलता महिला शिक्षिकाओं व्यावसायिक प्रभावशीलता से अधिक पाया गया। पुरुष शिक्षकों की व्यावसायिक प्रभावशीलता महिला शिक्षिकाओं की तुलना में अधिक पाई गई, इसका कारण विभिन्न सामाजिक, मानसिक और पेशेवर कारकों से समझा जा सकता है। पुरुष शिक्षक अक्सर नेतृत्व और निर्णय लेने की भूमिकाओं में अधिक सक्रिय होते हैं, जिससे उनके पेशेवर आत्मविश्वास और कार्यकुशलता बढ़ती है। इसके अलावा, समय प्रबंधन, चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना और स्वायत्तता में उनकी भूमिका अधिक होती है, जो व्यावसायिक प्रतिबद्धता को मजबूत करती है। जबकि महिला शिक्षिकाएँ अक्सर परिवारिक जिम्मेदारियों और सामाजिक प्रतिबद्धताओं के कारण अतिरिक्त दबाव में रहती हैं, जिससे उनके पेशेवर प्रदर्शन में थोड़ी कमी आ सकती है।

शैक्षिक निहितार्थ

पुरुष शिक्षकों की व्यावसायिक प्रभावशीलता अधिक होने के परिणामस्वरूप शैक्षिक क्षेत्र में कई निहितार्थ स्पष्ट होते हैं। इसका पहला निहितार्थ यह है कि विद्यालयों को सभी शिक्षकों की व्यावसायिक दक्षता और आत्म-प्रभावकारिता बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता है। दूसरा, महिला शिक्षिकाओं के लिए लचीलापन और सहायक वातावरण प्रदान करना आवश्यक है, ताकि वे परिवारिक और पेशेवर जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बना सकें। तीसरा, शिक्षक विकास नीतियों में व्यक्तिगत और लिंग-आधारित अंतर को ध्यान में रखते हुए संरचित मार्गदर्शन, मेंटरशिप और पेशेवर सहयोग की व्यवस्था करनी चाहिए। इस प्रकार, विद्यालय प्रशासन और नीति निर्माता शिक्षक क्षमता के समान विकास को सुनिश्चित कर सकते हैं।

संदर्भ ग्रंथ

Aggarwal, A., & Shrivastava, U. (2021). Entrepreneurship as a career choice: Impact of environments on high school students' intentions. *Education + Training, 63*(7–8), 1073–1091. https://doi.org/10.1108/ET-07-2020-0206

Beulah Mabel, S., & Nagarenitha, M. (2016). Career maturity and career decision-making: A review. *International Education and Research Journal, 2*(12), 1–4.

Gehlawat, M. (2013). Career maturity among adolescents in relation to their self-concept and anxiety. *International Education and Research Journal, 2*(1), 1–4.

Kaur, P. (2012). Career maturity among adolescents in relation to their school climate. *International Journal of Research in Education Methodology, 1*(1), 10–13. https://doi.org/10.24297/ijrem.v1i1.4140

Khan, S. (2024). *The Essence of Research*. Cosmic Inception Publication. Incorporated with Epic Sphere. ISBN: 978-93-5900-851-6.

Kokinou, & Kyriakides, L. (2022). *The impact of classroom context on teacher effectiveness.* Teaching and Teacher Education, 105, 103–114. https://doi.org/10.1016/j.tate.2021.103472

Kumar, P., & Mootha, D. N. (2017). *Teacher effectiveness scale*. Agra: National Psychological Corporation.

Kumar, P., & Mootha, D. N. (2017). *Teacher effectiveness scale: A study on school teachers.* International Journal of Educational Research, 4(1), 25–33.

Mishra, K. S. (2013). *School Environment Inventory*. Agra: National Psychological Corporation.

Ramya, A., & Rajammal, T. S. (2022). Career maturity of higher secondary students in relation to their school climate. *Journal of Positive School Psychology, 6*(9), 6423–6431.

Ramya, A., & Rajammal, T. S. (2022). *Career maturity of higher secondary students in relation to their school climate.* Journal of Positive School Psychology, 6(9), 6423–6431.

Singh, P. K., & Shukla, R. P. (2015). Relationship between career maturity and self-efficacy among male and female senior secondary students. *MIER Journal of Educational Studies, Trends, and Practices, 5*(2), 189–204.

Singh, P. K., & Shukla, R. P. (2015). *Relationship between career maturity and self-efficacy among senior secondary students.* MIER Journal of Educational Studies, Trends, and Practices, 5(2), 189–204. https://doi.org/10.52634/mier/2015/v5/i2/1486

Super, D. E. (1957). *The psychology of careers*. New York, NY: Harper & Row.